

लुटने को बेताब जवानी-2

“कहानी का पिछले भाग लुटने को बेताब जवानी-1 से आगे : अन्तर्वसिना डॉट कॉम पर पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मुश्ताक और अंजुम दोनों ने मेरा एक एक मम्मा मुंह... [\[Continue Reading\]](#) ...”

Story By: (reenachd2001)

Posted: सोमवार, जून 11th, 2007

Categories: [पहली बार चुदाई](#)

Online version: [लुटने को बेताब जवानी-2](#)

लुटने को बेताब जवानी-2

कहानी का पिछले भाग

[लुटने को बेताब जवानी-1](#)

से आगे :

अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मुश्ताक और अंजुम दोनों ने मेरा एक एक मम्मा मुंह में लिया हुआ था जिससे मस्त हो कर मैं स्वलित हो गई थी और उनके बालों में हाथ फिराते हुए सिमटते हुए उनको अपने सीने में भींच रही थी।

उन्हें भी पता चल गया कि मैं झड़ गई हूँ, मेरी सांसें तेज़ हो गई थी और हल्की सी आवाज़ें भी निकाल रही थी और जोर जोर से उनके बालों को सहलाने लगी थी। पहली बार ऐसा एहसास हुआ था, इससे पहले मैंने खुद ही अपने मम्मे सहलाये थे पर आज दो व्यक्ति एक साथ मेरे चूचियों से खेल रहे थे, चूस रहे थे, मैं जन्नत की सैर कर रही थी।

अब अंजुम ने वहां से मुंह हटाया और नीचे की तरफ ले जाने लगा। मुश्ताक ने मेरे मम्मे चूसते हुए हाथ को नीचे ला मेरी सलवार के नाड़े को खोल दिया। उसका कठोर हाथ में सलवार के अंदर मेरी पेंटी के ऊपर घूमने लगा।

मेरी योनि मचलने लगी, मेरी कामवासना बढ़ने लगी, मैं फिर से गर्म होने लगी। तभी अंजुम ने मेरी सलवार नीचे खिसका दी और नीचे से टांगों चूमता हुआ ऊपर आने लगा। मुश्ताक पेंटी से हाथ हटा कर फिर मम्मे पर ले आया। अंजुम ने अपना मुँह मेरी पेंटी पर रख दिया।

मैं अपनी हालत बता नहीं सकती !



तेज सांसों के साथ सिसकरियाँ भी निकलने लगी थी। एक व्यक्ति मेरे दोनों मम्मो से खेल रहा था दूसरा मेरी योनि में हलचल पैदा कर रहा था।

तभी अंजुम ने अपने दांतों से मेरी पैन्टी नीचे सरका दी और चूत पर हाथ फिराने लगा। मैं गनगना उठी, ऊपर से नीचे तक सिहर उठी और कांपने लगी। उसने एकदम से अपनी ऊँगली मेरी चूत में डाल दी, मेरी चीख निकल गई।

फिर उसने मुझसे पूछा- रीना तुमने पहले किसी से चुदवाया है ?

मैंने न में सर हिला दिया।

“तब तो बड़े प्यार और आराम से चोदना पड़ेगा !”

मुश्ताक मेरी ऊपर सरकी ब्रा का हुक खोल रहा था। ब्रा के खुलते ही उसने मेरे ऊपर के कपड़े उतार दिए, मैं उनके सामने पूरी नंगी पड़ी हुई थी।

अंजुम ने मुश्ताक से कहा- भाई, क्या करें ? यह अभी कुंवारी है, कहीं पंगा न पड़ जाए ?

“इसी से पूछ लो ! अगर शोर न मचाये तो ले लेंगे !” मुस्ताक ने कहा।

उसने मुझसे पूछा- करवाने का मन है ?

मैंने कहा- तुम्हारी मर्जी !

“चीखोगी तो नहीं ना ?”

मैंने ना में सर हिला दिया।

मुश्ताक ने कहा- हम जरा देख लें कि कितनी कसी है !

उसने अपनी ऊँगली मेरी चूत में डाल दी, मैंने होंठों को भींच लिया, मेरी चूत गीली हो गई थी पर फिर भी दर्द हुआ था।

अंजुम ने अपने कपड़े उतार दिए थे और अपने लिंग को मुझे दिखाता हुआ पूछने लगा-



इसे ले लोगी ?

मैंने हाँ में सर हिलाते हुए उसे स्वीकृति दे दी क्योंकि मैं अब पूरा मज़ा लेना चाहती थी।

अब अंजुम ने मेरी टाँगें फैला दी और धीरे से ऊँगली डाली और थोड़ी देर तक उसे अंदर बाहर करता रहा।

मुश्ताक ने अपना पजामा उतार दिया और अपने लिंग को मेरे हाथ में दे दिया। बीच-बीच में वो मेरे मम्मे भी मसल देता था और चूस भी लेता था और फिर अपना लिंग पकड़ा देता था।

मेरी आँखों में नशा सा छा गया था, मदहोश होती जा रही थी मैं!

इसी बीच अंजुम ने अपना लिंग मेरी योनि के ऊपर रखा और एक धीरे से झटका मार कर योनि में प्रवेश कर दिया।

मैंने आवाज़ को दबाते हुए हल्की चीख मारी- आ हह हह हाय मर गई, बहुत दर्द हो रहा है अंजुम! छोड़ दो!

उसने कहा- अभी ठीक हो जायेगा रानी! थोड़ा सा बर्दाश्त कर लो!

और उसके तीन चार झटकों ने ही मुझे फिर चरमसीमा पर ला दिया। मैंने मुश्ताक का लिंग जोर से भींच दिया और सिमटती चली गई पर अंजुम मेरी लिए जा रहा था, मेरा दर्द पहले से हल्का हो गया था पर इस दर्द में भी बहुत मज़ा आया। अंजुम के झटके भी पहले से तेज़ हो गए थे।

कुछ देर में उसने मेरी चूत को कुछ गर्म सा एहसास करवाया यानि कि उसने अपना वीर्य मेरी योनि में उड़ेल दिया। थोड़ी देर मेरे ऊपर लेटने के बाद वो हटा, मैं भी उठ कर बैठ गई। तभी मेरी नज़र उसके लिंग पर पड़ी जिस पर खून लगा हुआ था।

मैंने कहा- अंजुम देखो, तुम्हारे वहाँ से खून बह रहा है!



वो बोला- रानी, यह मेरा नहीं है, तुम्हारी चूत से बह रहा है, तुम्हारी सील टूट गई है!

मैं यह देख कर रोने लगी तो दोनों मुझे समझाने लगे- बेबी, पहली बार सब के साथ होता है! घबराओ मत!

मुश्ताक मुझे प्यार करने लगा, पहले मेरे बालों को सहलाया फिर मुझे लिटा दिया।

अंजुम बगल में लेट गया, मुश्ताक मेरे नंगे बदन पर हाथ फेरता मुझे गर्म कर रहा था। रह रह कर वो मेरे गालों को, गले को, मम्मों को चूसता जा रहा था। अंजुम बगल में लेटा रहा, मुश्ताक ने तो मेरे मम्मे चूस चूस कर लाल कर दिए थे, मेरे चुचूक तन गए थे जिससे मुश्ताक को एहसास हो गया कि लड़की गर्म है।

अब उसकी बारी थी मेरी लेने की, उसने कहा- मेरे ऊपर आओगी ?

मैंने कहा- जैसी तुम्हारी मर्जी!

उसने मुझे उठा दिया और नीचे लेट गया। फिर अपने लिंग की ओर इशारा कर के कहने लगा- बेबी इसको थोड़ी देर के मुँह में डाल लो और चूसो!

मैंने मना किया तो कहने लगा- इससे अंदर डालने पर तुम्हें कम दर्द होगा!

इसका लिंग अंजुम से ज्यादा बड़ा लग रहा था, मैंने फिर उसका लिंग मुँह में डाल लिया कुछ देर तक चूसती रही।

फिर उसने कहा- अब इसे अपनी फुद्दी में ले लो!

उसने मुझे अपनी टांगों पर बिठाया और लिंग मेरी योनि में डाल दिया।

मैं चीख पड़ी, इसमें ज्यादा दर्द हुआ था क्योंकि एक ही बार में सारा का सारा लंड मेरी चूत में समा गया था। पर थोड़ी देर में मैं दर्द के साथ मजे भी लेने लगी थी। रात के ढाई बज चुके थे, ऊपर से चुदते हुए मैंने कहा- अब मुझे जाने दो, बहुत समय हो गया है!

बस थोड़ी देर! मेरा हो लेने दो!



मैं मस्ती से भरी हुई थी, हल्की आवाज़ें निकालती हुई फिर झड़ने वाली थी। मुश्ताक ने तो बुरा हाल कर दिया था।

मैं झड़ गई, उसके सीने पर गिर गई और लिपट गई पर उसके झटके नीचे से चालू थे।

फिर उसने मुझे नीचे गिरा लिया और मेरी टाँगें फैला कर ऊपर से मेरी लेने लगा। यह बहुत बुरी तरह से मुझे चोद रहा था। अंजुम साथ में लेटा सब कुछ देख रहा था। अब उसने भी मेरी चूचियों के साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी थी।

तीन बजने वाले थे पर वो झड़ने का नाम ही नहीं ले रहा था। मैं एक बार फिर स्वलित हो गई तब कही थोड़ी देर में जाकर उसने तेज़ झटको के साथ मेरी चूत में फव्वारा मारा और निढाल हो कर मुझसे लिपट गया।

मैंने कहा- अब मुझे जाने दो! घरवालों के जागने का समय हो गया है।

दर्द बहुत हो रहा था, मुश्ताक से ब्रा की हुक लगवाई और किसी तरह सलवार कमीज़ पहनकर लंगड़ाती हुई नीचे अपने कमरे में आ गई।

कमरे में आकर मैंने देखा कि मेरी योनि से अभी भी खून निकल रहा था।

उसके कुछ दिन बाद तक यानि कि 3-4 दिन तक मैंने उनसे बात भी नहीं की। वो नज़रें मिलाने की कोशिश करते रहे।

लेकिन चौथे दिन मेरा मन फिर मचलने लगा और इशारों में रात का आमंत्रण दे दिया। करीब दो महीने वो हमारे यहाँ रहे और मैं हर दूसरे-तीसरे दिन उनसे चुदवाने चली जाती थी।

जाने से पहले वो कह कर गए कि हम अगले साल भी आपके यहाँ आयेंगे पर वो फिर कभी नहीं आये।



मेरी फ्री सेक्स स्टोरी कैसी लगी ? मुझे मेल करें !

आपके ढेर सारे प्यार के लिए धन्यवाद !

आपकी रीना !

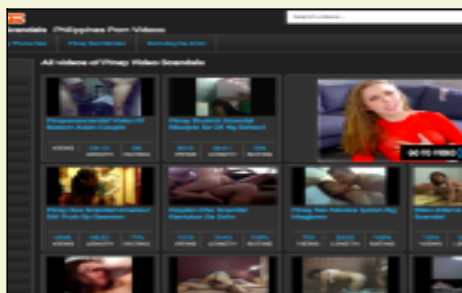
reenachd2001@yahoo.com





Other sites in IPE

Pinay Video Scandals



URL: www.pinayvideoscandals.com

Average traffic per day: 22 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Video and story **Target country:** Philippines Watch latest Pinay sex scandals and read Pinay sex stories for free.

Antarvasna



URL: www.antarvasnasexstories.com

Average traffic per day: 480 000 GA sessions **Site language:** Hindi **Site type:** Story **Target country:** India Best and the most popular site for Hindi sex stories about Desi Indian sex.

Suck Sex



URL: www.sucksex.com **Average traffic per day:** 250 000 GA sessions **Site language:** English, Hindi, Tamil, Telugu, Marathi, Malayalam, Gujarati, Bengali, Kannada, Punjabi, Urdu **Site type:** Mixed **Target country:** India The Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action.

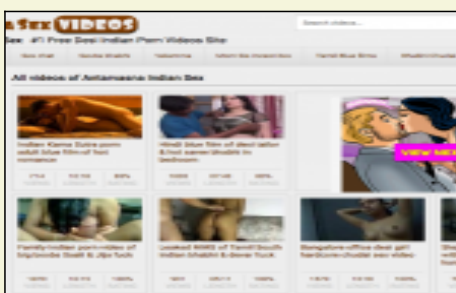
Arab Phone Sex



URL: www.arabphonesex.com **CPM:**

Depends on the country - around 1,5\$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** North Africa & Middle East Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (mobile view).

Antarvasna Sex Videos



URL: www.antarvasnasexvideos.com

Average traffic per day: 40 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India First free Desi Indian porn videos site.

Clipsage



URL: clipsage.com **Average traffic per day:** 66 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Mixed **Target country:** India, USA